की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा रहा है; यदि हां, तो इस केन्द्र पर कितनी राशि खर्च की गई थी और इसकी क्षमता का कितना उपयोग किया जा रहा है; और

(ख) क्या यह भी सही है कि रामचरितमानस की रिकार्डिंग बाहर से कराई गई थी; यदि हां तो इसके लिए कितनी राशि का भुगतान किया गया था ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) (क) जी, नहीं । दरदर्शन के केन्द्रीय निर्माण केन्द्र के लिए वार्षिक निर्माण के जो लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं उनके संदर्भ में उसकी क्षमता का उपयोग प्राय: संतोषजनक रहा है । इस केन्द्र की स्थापना पर 44.73 करोड रुपए की लागत आई है ।

(ख) जी, हां । तथापि, यह प्रस्तुति आकाशवाणी की है । इस कार्यक्रम पर 65 लाख रुपए की अनुमानित कुल लागत में से बाहर के स्टुडियो में रिकार्डिंग के लिए अब तक 6,44,600/- रुपए की राशि का भुगतान किया गया है ।

मध्य प्रदेश के लिए स्वीकृत विकास योजनाएं

*179. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राधाकिशन मालवीय :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में मध्य प्रदेश में कार्यान्वयन हेतु किन-किन विकास योजनाओं को योजना आयोग ने स्वीकृति प्रदान की है;

(ख) ऐसी योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) योजना आयोग के पास अन्य कौन-कौन सी योजनाएं स्वीकृति हेतु लंबित हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) और (ख) योजना आयोग द्वारा स्कीमवार स्वीकृति नहीं दी जाती है । राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों की वार्षिक योजनाओं के लिए केवल शीर्ष/उपशीर्ष वार परिव्ययों का अनुमोदन किया जाता है । स्कीमवार आवंटन राज्य सरकारों द्वारा (मध्य प्रदेश सहित) स्वयं किया जाता है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची

*180. **श्री शंकर दयाल सिंह :**
क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान राची स्थित हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन ने कितना व्यापार किया :

(ख) क्या यह सच है कि इस कारपोरेशन के पास इसकी क्षमता की तुलना में कम आर्डर है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन): (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन द्वारा किया गया कुल कारोबार अर्थात् कुल बिक्री निम्न प्रकार है :–

1988–89	262.51 करोड़ रुपये
1989–90	259.97 करोड़ रुपये
1990-91	183.32 करोड़ रुपय

(ख) जी, हां ।

(ग) इस समय सरकार के हस्तक्षेप के कारण, प्रयोक्ता क्षेत्रों ने हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन को आर्डर देने शुरू कर दिए हैं और 1–7–1991 को कम्पनी की क्रयादेश स्थिति 710 करोड रुपये है जो कम्पनी के इतिहास में सर्वोत्तम है ।